

आदेश - पत्रक

अनुसुन्धान ११ - फारम नं० ५६२

(दस्ते गणिलेख । १९४१ का नियम । २७)

~~368~~
~~5~~

आदेश पत्रक ता०

जिला

द३० रव्वा० से बाद से

आदेश की क्र० सं० और ता०	आदेश और प्रदापिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गयी कारबाई को वारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	<p>श्री <u>प्रेमलेश</u> <u>भट्टाचार्य</u> <u>गोदावरी नगर पालक</u> <u>मध्याद</u> <u>ग्राम</u> <u>कुलदासगढ़ी</u> <u>जाता</u> <u>भागलुखुड़ी</u> <u>जिला</u> <u>५८८</u> <u>पंचायत नं०</u> <u>२५९२</u> <u>दिनांक</u> <u>२८/५/४२</u> <u>मै आपार पर जिवाकार जाता पर राखिल खरिज हेतु आवेदन पत्र दाखिल किया है।</u> <u>ज्ञाना का नाम</u> <u>लौजी नं०</u> <u>जाता नं०</u> <u>खसरा</u> <u>एराउी</u> <u>पहाड़ी</u> <u>१४-</u> <u>१७</u> <u>१७३५</u> <u>१९००</u> <u>मैं अंगत अधिकारी</u> <u>MS</u> </p>	3

मूल आवेदन पत्र द्वाका अधिकारी को अंचल नियोजक के माध्यम से
प्रतिवेदन हेतु दे दें। महाल पर इन्हमां जारी कर आपति को माँग कर।
गणिलेख दिनांक २८/५/४२ को उपस्थित करें।

अंगत अधिकारी MS

महाल पर अंगता जोखिया प्राप्त है। कोई आपति प्राप्त नहीं है।
कारबाई का प्रतिवेदन अंचल नियोजक के माध्यम से प्राप्त है। उन लोगों ने
जोखिया के जाप दाखिल किया तो की अनशंसा किये गए। महाल इनके
पास रखा गया था दाखिल किया गया है।

सिखण्डा एवं शुक्ल किया MS

अंगत अधिकारी MS